an>

Title: Regarding increase in Mobile Number Portability due to call drop problem.

श्री हरिओम सिंह राठौड़ (राजसमन्द) : महोदया, काल ड्राप की समस्या से निजात पाने के लिए देश में करीब 20 करोड़ से अधिक उपभोक्ता मौजूदा सेवा पूदाताओं से छुटकारा पाना चाहते हैं। इन उपभोक्ताओं ने मौजूदा सेवा पूदाताओं को बदलने के लिए मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) के आवेदन दिए हैं। सबसे ज्यादा कर्नाटक और आंध्रपूदेश के उपभोक्ताओं ने एमएनपी के तहत आवेदन किया है। इसके बाद राजस्थान का नम्बर है, यह खुलासा ट्राई द्वारा जारी रिपोर्ट में हुआ है। ट्राई के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार 21 जनवरी, 2011 से लागू हुए एमएनपी प्रावधानों के अनुसार देश के उपभोक्ताओं ने अपने सेवा पूदाताओं को सेवा में कमी के कारण एमएनपी के आवेदन शुरू किया। कुछ लाख की संख्या में उपभोक्ताओं के सेवा पूदाता बदल दिए गए हैं लेकिन इस बीच देश में काल ड्राप की समस्या बढ़ गई है। शुरूआत में उपभोक्ताओं ने इसे सामान्य समस्या की तरह लिया लेकिन जब एक ही काल बार बार कटने लगी तो उन्होंने एमएनपी का सहारा लेना शुरू कर दिया। कर्नाटक से सबसे अधिक दो करोड़ तीस लाख, आंध्र पूदेश से एक करोड़ छियानवे लाख आवेदन और राजस्थान से एक करोड़ अस्सी लाख उपभोक्ताओं ने एमएनपी के तहत आवेदन किया है। इस मामले में गुजरात से भी एक करोड़ अट्ठावन लाख उपभोक्ताओं ने आवेदन किया है। देश में आज के समय एक अरब टेलीफोन उपभोक्ता हैं।

मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि काल ड्राप की समस्या की तरफ शीघ्र ध्यान देकर इसका निदान करे।

माननीय अध्यक्ष :

श्री पी.पी. चौधरी,

कुंवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चंदेल और

श्री भैरों पूसाद मिश्र को श्री हरिओम सिंह राठौड़ द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति पूदान की जाती है।